



भारतीय
प्रौद्योगिकी
संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय



INDIAN
INSTITUTE OF
TECHNOLOGY
BANARAS HINDU UNIVERSITY

☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय
(प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ)

अमर उजाला

Office of the Registrar
(Press & Publicity Cell)

दिनांक : 07.03.2019

‘स्पाक’ से शोध को बढ़ावा मिलेगा

एमएचआरडी ने बीएचयू और आईआईटी बीएचयू के आठ शिक्षकों के प्रोजेक्ट पर मुहर लगाई

रबीश श्रीवास्तव

वाराणसी। विश्वविद्यालयों में शोध और शैक्षणिक आदान प्रदान को बढ़ावा देने के लिए से शुरू योजना स्पार्क से अब बीएचयू और आईआईटी बीएचयू भी जुड़ गया है। एमएचआरडी की ओर से शुरू किए गए स्कीम फॉर प्रमोशन ऑफ एकेडमिक एंड रिसर्च कोलाब्रेशन (स्पाक) के तहत विभिन्न विभागों के आठ शिक्षकों के प्रोजेक्ट पर एमएचआरडी ने मुहर लगा दी है। इसके बाद शिक्षक विश्व के चुनिंदा विश्वविद्यालयों में शोध कार्य कर सकेंगे।

योजना में एनआईआरएफ रैंकिंग में उत्कृष्ट स्थान पाने वाले देश के शिक्षण संस्थानों और क्यूएस रैंकिंग में उत्कृष्ट स्थान पाने वाले विदेशी



विश्वविद्यालय के लिए यह बड़ी उपलब्धि है। इससे बीएचयू और विश्व के टॉप विश्वविद्यालयों के बीच शोध और शैक्षणिक आदान-प्रदान बढ़ेगा। साथ ही शिक्षकों, छात्रों को भी बहुत कुछ सीखने का मौका मिलेगा। -प्रो. राकेश भटनागर, कुलपति बीएचयू

50

लाख से एक करोड़ मिलेंगे पहली बार शुरू हो रही योजना के तहत

संस्थानों के शिक्षकों ने हिस्सा लिया था। इसमें विश्व के 28 देशों के टॉप 200 विश्वविद्यालयों के शिक्षकों से आवेदन मांगे गए थे। इसमें 600 शोध कार्यों में 282 को मंजूरी मिली है। बीएचयू की ओर से इसके लिए 20 शिक्षकों ने अपने प्रोजेक्ट से जुड़ी जानकारी के साथ आवेदन

किया था। जांच के बाद एमएचआरडी ने आठ शिक्षकों के प्रोजेक्ट को मंजूरी दे दी है, इसमें पांच बीएचयू के जबकि तीन आईआईटी बीएचयू के हैं।

इसमें शिक्षकों को 50 लाख रुपये से लेकर एक करोड़ का अनुदान भी मिलेगा। इसके अलावा संयुक्त शोध

इनके प्रोजेक्ट को मिली हैं मंजूरी

आईआईटी बीएचयू से प्रो. राजीव प्रकाश ने कम खर्च वाले इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के उपयोग। प्रो. राम शरण सिंह ने बेजिन तथा टोल्यानि के निष्कासन। प्रो. प्रदीप श्रीवास्तव का फंक्शनल टिसू के उपयोग के लिए और बीएचयू से प्रो. ओंकार नाथ श्रीवास्तव ने हरित ऊर्जा, प्रो. इडा तिवारी ने मानव स्वास्थ्य में इंटिग्रेटेड सेंसर और डॉ. वैकटेश सिंह का न्यूट्रिनो भौतिकी, प्रो. संजय कुमार का डीएनए बबल फॉर्मेशन और डॉ. मनीष अरोड़ा का भारत और यूएसए के सामाजिक प्रारूप के इतिहास के संदर्भ में प्रोजेक्ट पर चयन हुआ है। खास बात है कि कला के क्षेत्र से डॉ. अरोड़ा पहले ऐसे शिक्षक हैं, जिसका चयन हुआ है।

पहल के तहत चुने जाने वाली आठ सदस्यीय टीम में दो भारतीय शिक्षक और दो छात्र और दो विदेशी शिक्षक और दो विदेशी छात्र होंगे। छात्रों को दुनिया की श्रेष्ठ प्रयोगशाला में एक वर्ष के लिए कार्य करने की सुविधा भी मिलेगी। इसमें कोर्स भी चलाए जाएंगे।